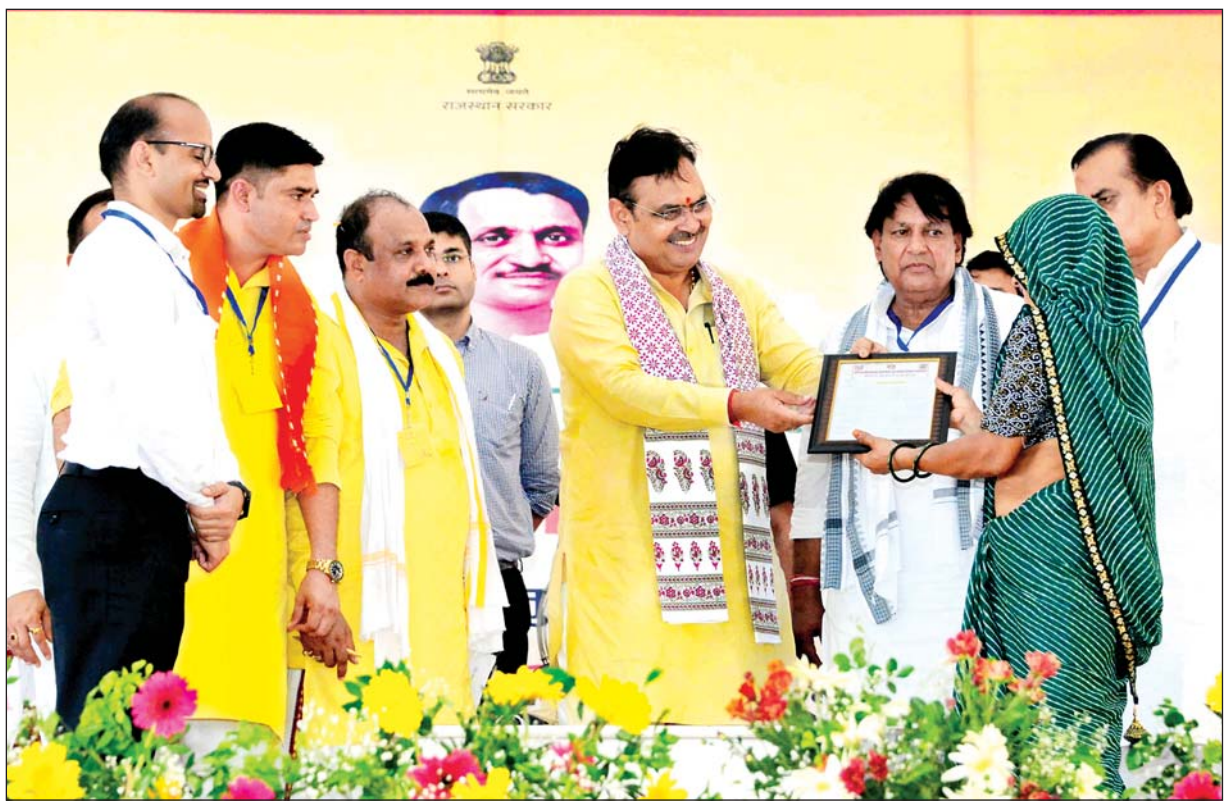

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सवाई माधोपुर के खण्डार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ के चैक व दस्तावेज सौंपे।

मुख्यमंत्री ने बालेर-करणपुर सड़क निर्माण कराने की घोषणा की

उन्होंने खंडार में दीनदयाल अंत्योदय शिविर का अवलोकन कर जनसभा को संबोधित किया

सवाई माधोपुर, 3 जुलाई (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। "पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा" उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर के खण्डार उपखण्ड में बालेर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं, रणथंभौर का किला यूनैस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228 तथा आपसी सहमति से बँटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण हो चुका है।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट न जाए।

उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमाज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित किये गये तथा 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित, विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जितने काम हुए, उतने पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं उन्नयन के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 10 करोड़ रुपये की लागत से बालेर-करणपुर सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों, प्रवीण बैरवा (एनएफएसए), सरोज (कन्यादान योजना), सम्पत्ति देवी (वृद्धावस्था पेंशन), रामवीर मीना (स्वामित्व पट्टा) तथा मीना देवी (पीएम आवास योजना) को प्रमाण-पत्र एवं चैक वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने समारोह परिसर में वृक्षारोपण समारोह में खण्डार विधायक जितेन्द्र गोठवाल, संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ. टीना सोनी, महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर राहुल प्रकाश, मुख्य वन संरक्षक अनूप के.आर., जिला कलक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता सहित, अनेक गणमान्य लोग व आमजन उपस्थित थे।

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 03 जुलाई। दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की थी।

जैकलीन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट और दिल्ली की एक निचली अदालत में लंबित कार्यवाही को रद्द करने का भी अनुरोध किया था। लेकिन जस्टिस अनीश दयाल ने उनकी याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान, ईडी के वकील ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जैकलीन की याचिका में कोई दम नहीं है। विशेष अदालत ने भी अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) का संज्ञान लिया था और पहली नजर में आरोपों में दम नजर आया था। वकील ने ये भी कहा कि संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती नहीं दी गई है। बता दें, जैकलीन फर्नांडीज ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं। वे जांच के दौरान पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश भी हो चुकी हैं।

■ जैकलीन ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ मनी लॉण्डरिंग में आरोपी है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उनके खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. रद्द करने की मांग की थी।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की आज से दिल्ली में बैठक

तीन दिवसीय बैठक में संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा होगी, सरसंघचालक व सरकार्यवाह भी उपस्थित रहेंगे

जयपुर, 3 जुलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन केशव कुंज (दिल्ली) में 4 से 6 जुलाई तक होने वाला है। बैठक में मुख्यत: संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। यह बैठक निर्णय लेने वाली बैठक नहीं है। इसमें प्रांतों में संगठन के कार्य की प्रगति व अनुभवों पर चर्चा होती है। कार्य विभागों के कार्य को लेकर भी चर्चा होती है। बैठक में सरसंघचालक, सरकार्यवाह की उपस्थिति रहती है। उनका मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने केशव कुंज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बैठक में आने वाले विषयों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर उनके साथ सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर तथा प्रदीप जोशी भी उपस्थित थे।

■ आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान सरसंघचालक के साथ विशेष संवाद का कार्यक्रम दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व बैंगलुरु में आयोजित किया जायेगा, जिसमें समाज के प्रमुख लोगों को बुलाया जायेगा।

आंबेकर ने बताया कि शताब्दी वर्ष इस बैठक का मुख्य विषय है। सभी प्रांतों ने तैयारी की है, अपनी-अपनी योजना बनाई है। उस पर बैठक में चर्चा होगी, बैठक के पश्चात इस संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। शताब्दी वर्ष का शुभारंभ नागपुर में 2 अक्तूबर को विजयादशमी उत्सव के साथ होगा, जिसमें सरसंघचालक उपस्थित रहेंगे। इसके पश्चात अगले एक वर्ष तक शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम चलेंगे।

उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के दृष्टिगत, सरसंघचालक के प्रवास की योजना पर भी चर्चा होगी। शताब्दी वर्ष के दौरान, सरसंघचालक के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम देश के चार प्रमुख शहरों-दिल्ली, मुंबई, कोलकता, बैंगलुरु में आयोजित होंगे, जिसमें समाज के प्रमुख लोगों को बुलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ ने समाज के समक्ष पंच परिवर्तन का विचार रखा है, इसके अंतर्गत, संघ का लक्ष्य संपूर्ण समाज की सहभागिता से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

कांग्रेसाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयात करता है, जो फलों, सब्जियों और लाभकारी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी हैं।"

उन्होंने पूछा "क्या इससे हमारे करोड़ों किसानों को नुकसान नहीं होगा, जो यूरिया और डीएपी खाद की कमी से पहले से ही जूझ रहे हैं?

खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को सीधे निशाने पर लेते हुए, उनके एक्स हैंडल को टैग करते हुए लिखा: "आपकी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है। पांच साल पहले गलवान में 20 वीर सैनिकों के बलिदान के बाद, आपने चीन को 'क्लीन चिट' दे दी। आज चीन उसका पूरा फायदा उठा रहा है, और हम सिर्फ असहाय की तरह मूकदर्शक बनकर देख रहे हैं।"

बिहार में मतदाता के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल हुए सभी मतदाताओं को स्वयं की तथा अपने माता-पिता की नागरिकता का प्रमाण देना होगा। यह कदम चुनाव से कुछ ही महीने पहले उठाए जाने के कारण, इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठ रहे हैं और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के मतदान से वंचित रह जाने की आशंका भी जताई जा रही है। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग का उपयोग नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) लागू करने के लिए किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने इस प्रक्रिया को एनआरसी से भी अधिक खतरनाक बताया।

उन्होंने कहा कि भले ही यह कवायद बिहार में शुरू की गई हो, लेकिन इसका असली निशाना पश्चिम बंगाल है, जहां अगले वर्ष चुनाव होने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण बंगाल के मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएंगे और उनकी जगह बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और अन्य राज्यों से आए नाम जोड़े जाएंगे।

बिहार में भी चुनाव आयोग के इस कदम का विरोध हो रहा है। कांग्रेस ने इसे "समाधान के नाम पर एक कपटपूर्ण और संदिग्ध विचार" बताया, जिसमें राज्य की मशीनरी (तंत्र) की ताकत का इस्तेमाल कर के, जानबूझकर मतदाताओं को बाहर किये जाने का खतरा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुये "इंडिया" गठबंधन के नेताओं ने कहा कि उनका एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही चुनाव आयोग से मिलकर अपनी चिंताएं प्रकट करेगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं 2019 में राज्य में एनआरसी लागू करने की किसी भी योजना को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने उस समय कहा था, कहां का एनआरसी, बिल्कुल लागू नहीं होगा। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और अधिक राजनीतिक रंग पकड़ सकता है।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदान करेगी। मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित होने पर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

रिश्वत प्रकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व जगराम मीणा को भी आरोपी बनाया गया है, जबकि विधायक के फरार चल रहे पीए रोहित व दो अन्य के खिलाफ जाँच जारी है।

विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम के जरिए पेश आरोप पत्र में एसीबी ने कहा कि अनुसंधान से स्पष्ट है कि आरोपी एमएलए ने करौली जिले स्थित खानों के सही नहीं चलने के संबंध में विधानसभा में लगाए गए प्रश्नों को डिलीट करने के लिए 2.50 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी और पहली किस्त 20 लाख रुपए दलालों के जरिए ली।

गौरतलब है कि परिवादी रविन्द्र कुमार व उसके भाई सुमंत ने 4 अप्रैल 2025 को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि एमएलए पटेल विधानसभा में प्रश्न लगाकर उन्हें डरा-धमका कर पैसों की डिमांड कर उन्हें परेशान कर रहा है। उसने उनकी खानों पर नियमानुसार खनन कार्य नहीं होने का आरोप लगाया है और उस संबंध में प्रश्न लगाया है, जबकि वे नियमानुसार खनन का काम कर रहे हैं। वे प्रश्न हटाने की एवज में रिश्वत मांग रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए केजरीवाल की बड़ी घोषणा

केजरीवाल ने कहा, उनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी

अहमदाबाद, 03 जुलाई। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अकेले उतरेगी और सरकार बनाएगी। केजरीवाल ने यह भी साफ किया कि लोकसभा चुनाव में वे इंडिया गठबंधन के साथ हैं, लेकिन विधानसभा में अपनी अलग रणनीति पर काम करेंगे।

केजरीवाल ने कहा, हमने पंजाब में सरकार बनाई, दिल्ली में लगातार जनसमर्थन मिला और अब बिहार की जनता भी बदलाव चाहती है। हम बिहार में अकेले लड़ेंगे, जीतेंगे और सरकार बनाएंगे। इस बयान ने बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

■ केजरीवाल ने कहा लोकसभा चुनाव में हम इंडिया गठबंधन के साथ हैं पर राज्यों के चुनाव में हमारी राह अलग है।

यह साफ संकेत है कि आम आदमी पार्टी अब बिहार को अपने अगले राजनीतिक विस्तार के केन्द्र में रख रही है।

दिलचस्प बात यह है कि केजरीवाल ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी। लेकिन राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी स्वतंत्र रणनीति अपनाएगी। यह बयान गठबंधन सहयोगियों के लिए भी एक राजनीतिक संदेश है कि आप अब केवल सहयोगी भूमिका में नहीं, बल्कि स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनकर उभरना चाहती है। केजरीवाल ने बिहार के चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में निष्पक्षता सबसे जरूरी है और बिहार में जो चुनाव आयोग कर रहा है, वह सही नहीं है। जनता सब देख रही है। आप के लिए बिहार की सियासत एक नई चुनौती और अवसर, दोनों है। राज्य की पारंपरिक राजनीति जातीय समीकरणों और महागठबंधनों पर टिकी रही है। ऐसे में केजरीवाल का यह दावा कि हम अकेले लड़ेंगे और जीतेंगे, एक आक्रामक चुनावी रणनीति की ओर इशारा करता है।

बागेश्वर धाम में टैंट गिरा, एक की मौत, 8 घायल

बागेश्वर, 03 जुलाई। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम से हादसे की बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, बागेश्वर धाम परिसर में टेंट गिरने के कारण एक श्रद्धालु की मौत हो गई है। वहीं, 8 लोग इस हादसे में घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, बागेश्वर धाम में ये हादसा गुरुवार को सुबह-सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद हुआ। आपको बता दें कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री हैं जो कि देश के सबसे चर्चित संतों या कथवाचकोंमें से एक हैं।

छतरपुर के गढ़ा गांव में स्थित बागेश्वर धाम परिसर में जब टेंट गिरा, तब लोहे का एंगल सिर में लगने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में 8 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद बारिश हो रही थी।बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु टेंट के नीचे इकट्ठा हुए थे।

अखिलेश यादव ने बिहार में आर.जे.डी. को समर्थन दिया

सपा प्रमुख ने वोटर वैरिफेशन विवाद पर आर.जे.डी. नेता तेजस्वी का समर्थन किया

लखनऊ, 03 जुलाई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि हमने बिहार में लालू यादव को समर्थन देने का फैसला किया है। उनकी सरकार बनानी हैं। वहां भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिल कर गड़बड़ी करना चाहती है।

साथ ही उन्होंने वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन पर भी सवाल खड़े किए हैं। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव बिहार में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन पर लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। अब इस मामले पर अखिलेश यादव ने भी तेजस्वी का समर्थन किया है और भाजपा पर आरोप लगाए हैं।

वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी सरकार पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों को विलय करने के हालिया कदमों के पीछे गहरी साजिश है। शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है।

■ अखिलेश ने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिहार के विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी करना चाहती है।

भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है, उसके पीछे एक गहरी साजिश की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है, जो शिक्षित होता है, वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं।

वहीं, इससे पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली। दरअसल, अखिलेश यादव आजमगढ़ में एक सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान, एक शख्स ने सुरक्षा घेरा पार कर उनके मंच पर चढ़ ने की कोशिश की। सपा अध्यक्ष की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते, शख्स को ऐसा करने से रोक लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता है।

यू.पी. के पूर्व सांसद धनंजय डबल मर्डर केस में बरी

जौनपुर, 03 जुलाई। जौनपुर के पूर्व सांसद और बाहुबली नेता धनंजय सिंह को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। 15 वर्ष पूर्व हुए डबल मर्डर केस के आरोपी पूर्व सांसद धनंजय सिंह को एमपी-एमएलए कोर्ट ने निर्दोष पाते हुए बरी कर दिया है। एडीजे प्रथम एमपी सिंह की अदालत ने पूर्व सांसद सहित, सभी पांच लोगों को बरी कर दिया गया है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाया कि धनंजय सिंह दोषी नहीं हैं।

■ सांसदों व विधायकों के मामलों की विशेष अदालत ने धनंजय सहित सभी 5 आरोपियों को निर्दोष करार देकर बरी कर दिया।

बेलवा डबल मर्डर केस में बरी होने के बाद धनंजय सिंह ने कोर्ट का धन्यवाद अदा किया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक मामला था।

एक लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिकवरी वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत कॉमन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद शामिल है। इससे देश की वायु रक्षा प्रणाली मजबूत होगी, आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन बेहतर बनेगा और सशस्त्र बलों की संचालन तैयारी मजबूत होगी।

इसके अलावा, नौसेना के लिए समुद्री बारूदी सुरंग, बारूदी सुरंग रोधी नौका, मिसाइल रोधी तोप प्रणाली और समुद्री क्षेत्र के लिए रोबोट के खरीद प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गयी है।

आसाराम की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

7 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी थी।

सुनवाई के दौरान, आसाराम के वकील ने कोर्ट से तीन महीने का और समय मांगा था, लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि सिर्फ एक महीने की ही मोहलत दी जा रही है और कहा कि यह अंतिम अवसर होगा। इस संबंध में विस्तृत आदेश आना अभी बाकी है।

पाक हॉकी टीम को भारत में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता था। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय का मतलब यह भी है कि भविष्य में पाकिस्तान के खिलाड़ी अन्य आईओसी प्रशासित खेल आयोजनों में भी भारत आ सकेंगे। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर में होगा, जबकि अंडर-21 जूनियर वर्ल्ड कप का 14वां संस्करण चेन्नई और मदुरै के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस बार पहली बार टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग लेंगी।

सरकार के एक सूत्र ने कहा, "भारत किसी भी टीम के बहुराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भाग लेने के खिलाफ नहीं है। लेकिन द्विपक्षीय कार्यक्रम अलग होते हैं। पाकिस्तान की हॉकी टीम एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड कप में इसलिए आएगी क्योंकि अन्य टीमें भी आ रही हैं। संबंधित मंत्रालयों से आवश्यक मंजूरी ली जा चुकी है। भारत को ओलंपिक चार्टर का पालन करना है। हम किसी भी देश को प्रतियोगिता में भाग लेने से नहीं रोक सकते।"

गौरतलब है कि पाकिस्तान की भागीदारी पर पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के कारण संदेह बना हुआ था।

जब यह पूछा गया कि क्या भारत को सितंबर में क्रिकेट के एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति दी जाएगी, तो उन्होंने जवाब दिया, "बीसीसीआई ने अभी तक इस बारे में हमसे संपर्क नहीं किया है। जब वे हमसे संपर्क करेंगे, तब इस पर विचार किया जाएगा।"

'अमेरिका, उन देशों पर जो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ प्रवेश कर रहे हैं। अगर भारत अमेरिकी प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए रूसी तेल आयात जारी रखता है, तो अमेरिका इन उत्पादों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगा सकता है। इसका अर्थ होगा कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अत्यधिक महंगे हो जाएंगे और प्रतिस्पर्धा में टिक नही पाएंगे।

उदाहरण के लिए, अगर एक परिधान की कीमत 10 डॉलर है, तो टैरिफ के बाद वह 60 डॉलर हो सकती है, जिससे अमेरिका में उसकी मांग और भारतीय निर्यातकों के अनुबंध खत्म हो सकते हैं। भले ही अमेरिका-भारत व्यापार संबंध मजबूत और विकसित हो रहे हैं, लेकिन वे अत्यधिक संवेदनशील भी हैं, अचानक नीतिगत बदलावों, रणनीतिक समीकरणों और भू-राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हो सकते हैं। रूसी तेल को लेकर 500 प्रतिशत टैरिफ की धमकी इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका शायद भारत की विदेश नीति को आर्थिक दबाव के ज़रिए प्रभावित करना चाहता है। भारत की ओर से इस खतरे को कम करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, जैसे ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाना, अमेरिका से तेल आयात बढ़ाना, कूटनीतिक संतुलन साधना और अमेरिकी बाजारों तक दीर्घकालिक पहुंच सुनिश्चित करने की कोशिश करना आदि।

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को सीज़ करने के अभियान पर रोक

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिखकर अनुमति प्राप्त की

नई दिल्ली, 03 जुलाई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुरानी गाड़ियों पर लगा बैन हटा लिया गया है। इसे लेकर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को पत्र लिखा और राजधानी में एक जुलाई से लागू हुए एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) वाहनों के नियमों की कमियां गिनाईं। साथ ही, उन्होंने पुरानी गाड़ियों को फ्यूल न देने के निर्देश पर रोक लगाने को कहा। दरअसल, दिल्ली में एंड ऑफ व्हीकल वाहनों के नियमों के तहत की जा रही पुरानी गाड़ियों की जब्ती पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अभी इस नियम को इंप्लीमेंट नहीं कर रहे हैं। गाड़ियों को उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि पॉल्यूशन स्तर के हिसाब से बंद किया जाएगा। इस पर सरकार काम कर रही है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिखकर डायरेक्शन नंबर 89 के क्रियान्वयन पर रोक लगाने को कहा है, जिसके तहत दिल्ली में एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) वाहनों को फ्यूल देने से मना किया गया है।

■ मंत्री ने आयोग से आग्रह किया कि पुरानी गाड़ियों को पैट्रोल-डीज़ल नहीं देने के आदेश को वापस लिया जाए।

उन्होंने पत्र में लिखा है कि हम सीएक्यूएम से आग्रह करते हैं कि डायरेक्शन नंबर 89 के क्रियान्वयन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, जब तक कि ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) प्रणाली पूरे एनसीआर में एकीकृत नहीं हो जाती। हमें विश्वास है कि दिल्ली सरकार के चल रहे बहुआयामी प्रयासों से वायु गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार आएगा।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने मीडिया से बातचीत कर कहा कि उन्होंने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिखकर दिल्ली में एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) वाहनों को ईंधन न देने के निर्देश पर रोक लगाने को कहा है।

उन्होंने कहा कि हमने उन्हें बताया है कि जो ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए गए हैं, वे मजबूत सिस्टम नहीं हैं और उनमें अभी भी कई खामियां हैं। तकनीकी गड़बड़ियां, सेंसर का काम न करना और स्पीकर का खराब होना, ये सभी कमियां हैं। इसे अभी तक एनसीआर डेटा के साथ एकीकृत नहीं किया गया है। यह हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेटों (एचएसआरपी) की पहचान करने में सक्षम नहीं है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908